

# असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—इण्ड ३—उप-इण्ड (1) PART II—Section 3—Sub-section (i)

श्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

**स●** 617]

वर्ष विश्लो, बुधवार, दिसम्बर 24, 1986/पोध .3, 1908

No. 617] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 24, 1986/PAUSA 3, 1908

इस आण में मिल्न पृष्ठ संस्थादी भाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई विल्नी, 24 विसम्बर, 1986

### ग्रधिमुचनः

सं. 468/86---केम्ब्रीय उत्पाद-मुस्क

ता. का. नि. 1315 (प्र):---केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-मृह्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप नियम (1) द्वारा प्रवत्त के क्तियों क्लाइयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्य विभाग) की अधिसूचना सं. 332/86--केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क, तारीख 2 जून, 1986 का निम्नलिखित संगोधन करती है, प्रयात :----

उपत प्रधिमूचना में, --

 (क) प्रारम्भिक कांग के प्रकास ग्रीर स्पष्टीकरण के पूर्व, निम्न-सिकिस परन्तुक ग्रन्त:स्थापित किया जाएगा, ग्रथींव्:---

"परन्तु यह तब जबकि ऐसी इंधन-दक्ष मीटर कारों का बिनि-माण, उद्योग मंत्रालय द्वारा और उद्योग मंत्रालय के तकनीकी विकास महानिद्रेशालय के भौद्योगिक सलाहकार द्वारा सम्मक रुप से अनुमीदिन ममंजित विनिर्माण कार्यक्रम के अधीन किया जाता है और प्रायातकर्ता, तकनीकी विकाम महानिदेशालय के अधिमिक सलादुकार से पूर्वोक्त कार्यक्रम के अधीन प्राप्त किए जाने के किया अधीन प्राप्त किए जाने के किया अधीन प्राप्त किए जाने के किया अधीन प्राप्त किया वर्ष में प्राप्त देशीकरण की वास्तविक डिग्री का विस्तृत क्योरा वर्णित करने वाला अमाणपथ पेश करता है और किसी ऐसे मामले में जहां पूर्ववर्ती जिलीप वर्ष में प्राप्त देणीकरण की डिग्री उस डिग्री से निम्न है जो कार्यक्रम के अधीन अनुमोदित की पह है बहां आयातकर्ता, उद्योग मंद्रालय (भौशोगिक विकास विमाग) के संयुक्त सचिव से अनिम्न पंक्ति के प्रधिकारी से प्रमाणपथ भी पेश करता है जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि देशीकरण की अपेतित डिग्री को प्राप्त करने में असफलता विधिमान्य कारणों की बजह से है जो उसमें लेखक्य किए जाएंगे और ऐसी असफलता न्यूनतम है।";

- (ख) स्पष्टीकरण,---
- (i) खण्ड (iii) में,
- (क) "तदनुसार प्रमाणित करता है" शब्दों के पश्चात् "(इस संबंध में विए गए प्रमाणाझ को दसमें इसके पश्चात् ईवन दक्षता प्रमाणपक्ष कहा गया है)" कोष्टक भीर सब्द रखे जाएंगे;

- (खा) "या पुणे (सहाराष्ट्र) स्थित भारतीय स्वथालित यंत्र भनुसंधान संगम" कव्य भौर कोष्ठकों का सोत किया जाएगा;
- (ii) खण्ड (ख) के मन्त में माने वाले "मीर" शब्द का लोप फिया जाएता मीर खण्ड (त) के पण्वान विध्वलिवित खण्ड मन्तः स्थापित किया जाएता, प्रयति :---
- "(ष) ईंधन दक्षता परीक्षण, उत्पादन संबंक्ष में परीक्षण. प्रिक्तिनी हारा सहसा चृती गई पांच मीटर कारों पर किया जाएगा भीर परीक्षण क्षंकों में से न्यूततम क्षंत्र, ईंधन दक्षता प्रपापस्य दिए जाने के प्रयोजन के लिए सूर्वणत होगः।";
- (ग) भारत में मिम्नलिखित पैरा भन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थान्:---
  - "2. इस प्रकार दिया गया ईंधन-दक्षता प्रमाणपत्र विए जाने की नारीख से छन् मास की प्रविधि के लिए विधियत्य होगा।

3. जहां प्रायानकर्ता इस स्विध्नुचना के प्रधीन सूट का उक्कार है किन्सु धायात के समय ईंधन-दशता प्रमाणपत्र पैंस करने में समये नहीं है बहां ऐसा धायातकर्ता, सहायक सीयाकुरक कलक्टर को यह बक्नबंध करेगा कि बहु ऐसा ईंधन-दशता प्रमाणपत्र प्राठ सप्ताह की प्रविध के भीतर या भाग सप्ताह से प्रमधिक और बढ़ाई गई ऐसी धर्मित के भीतर यो भाग सप्ताह से प्रमधिक और बढ़ाई गई ऐसी धर्मित के भीतर जो सीमा- मूक्त कलक्टर द्वारा प्रबधितिन की जाए, पेन करेगा तथा वह इसमें प्रन्तविष्ट खूट के न दिए जाने जी दमा में उर्महलीय मुक्त धीर धायात के समय पहले ही संदत्त मुक्त के बीच के मंतर का संदाय करने का भी वचनबंध उस दशा में करेगा जय वह उक्त ध्रमधि के भीतर ईंचन-दक्षता प्रमाणपत्र पेस करने में प्रसक्त रहता है।"।

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 24th December, 1986

#### NOTIFICATION

### No. 468 86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 1315 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule f of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 332 86-Central Excises, dated the 2nd June, 1986, namely:—

In the said notification,—

- (a) after the opening portion and before the Explanation, the following proviso shall be inserted, namely:—
  - "Provided that such fuel efficient motor cars are manufactured under a phased manufacturing programme duly approved by the Ministry of Industry and the Industrial Adviser of the Directorate General of Technical Development in the Ministry of Industry and the manufacture produces a certificate from the Industrial Advise in the Directorate General of Technical Development showing the details of the degree of indigenisation required to be

achieved under the aforesaid programme and the actual degree of indigenisation acleved in the preceding financial year and in a case where the degree of indigenisation achieved in the preceding financial year is lower than the degree as per the approved programme, the manufacturer also produces a certificate from an officer not below the rank of a Joint Secretary in the Ministry of "Industry (Department of Industrial Development) certifying that the failure in achieving the equired degree of indigenisation is on account of valid reasons to be recorded in writing and that such failure is merginal;

- (b) in the Explanation,---
  - (i) in clause (iii),—
    - (a) after the words and brackets "(Industrial Development)", the brackets and words "(certificate issued in this regard, hereinafter referred to as the fuel efficiency certificate)" shall be inserted;
    - (b) the words and brackets "or the Automotive Research Association of India, Pune (Maharashtra)" shall be omitted;
  - (ii) in cause (b), the words "and" occurring at the end shall be omitted and after clause (c), the following clause shall be inserted, namely:—
    - (d) the fuel-efficiency test shall be conducted on five motor cars selected at random by the testing agency from the production plant and the lowest of the test figures shall be relevant for the purpose of issuing fuel efficiency certificate.";
- (c) the following paragraphs shall be inserted at the end, namely:—
  - "2. The fuel-efficiency certificate so issued shall be valid for a period of six months from the date of issue.
  - 3. Where a manufacturer is entitled for exemption under this notification but is not able to produce a fuel-efficiency certificate at the time of clearance such manufacturer shall undertake to the Assistant Collector of Central Excise that he will produce such fuel-efficiency certificate within a period of eight weeks or such further extended period not exceeding four weeks as may be determined by the Collector of Central Excise and also undertake to pay an amount equal to the difference between the duty leviable but for the exemption contained herein and that already paid at the time of clearance, if he fails to produce the fuel efficiency certificate within the said period.".

[F. No. 346|89|86-TRU]

#### प्रधिसचना

### सं. 469/86--केम्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा. का. नि. 1316 (म):—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-मुस्क नियम, 1944 के नियम 8 के उनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-कुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रमुख्ती के शीर्ष संख्यांक 87.08 के अंतर्गत माने बासे 1000 वन संटीमीटर से भनधिक ईंगन अमता के ईंधनदभ मीटर यानों की, उक्त ग्रम्भूची में निनिदिष्ट उन पर उद्ग्रहणीय उत्पाद-मुस्क के उतने भाग ने छूट देती है जो उनके मुख्य के परंजीस प्रतिगत की दर पर संगणित रकम से प्रधिक हैं :—

परस्तु यह तब जबिक ऐसी इंअन-दक्ष मोटर कारों का विनिर्माण, उद्योग मंत्राक्षय द्वारा भीर उद्योग मंत्राक्षय के तकनीकी विकास महानिदेशालय के श्रीद्योगिक सलाहकार द्वारा सम्यक्षकप से अनुमोदित समितित विस्तर्माण कार्यक्रम के अधीन किया जाता है भीर प्राथातकर्ता, तकनीकी विकास महानिदेशालय के भौद्योगिक सलाहकार से पूर्वोक्त कार्यक्रम के अधीन प्राप्त किए जाने के लिए अपेक्षित देशीकरण की विश्वी भीर पूर्ववर्ती विकास वर्ष में प्राप्त देशीकरण की बास्तविक डिग्री का विस्तृत कर्योग दिशन करने वाला प्रमाणयत पेश करता है भीर किसो ऐसे मामले में जहां पूर्ववर्ती विकाय वर्ष में प्राप्त देशीकरण की डिग्री उस डिग्री से निम्न है जो कार्यक्रम के अधीन अनुमोदित की गई है वहां आवात कर्या, उत्योग मंत्राक्षय (औद्योगिक विकास विभाग) के मंत्रुक्त मर्चित्र से अतिमन पंक्ति के अधिकारों से प्रमाणयत भी पेश करना है जिसमें यह प्रमाणित क्रिया गया हो कि देशीकरण को अभेजित विग्री का प्राप्त करने में असक्तता विधिमान्य कारणों को बजह से है जो उसमें लेखक्ष किए जाएंगे और ऐसी असफलता म्यूनतम है ।

स्पाटीकरण ---इस प्रधिप्तुबना के प्रयोजनों के लिए, "1000 बन संटीमीटर से प्रधिक इंशन क्षमण वाली ईंधन-दश्न मोटर कार" ने ऐसी मोटर कार श्रीभन्नेत है जिसके बारे में प्रहमदनगर (भहाराष्ट्र) स्थित रक्षा मंत्रालय के यान अनुस्थान विकास स्थापन द्वारा किए गए परीक्षणों के बाधार पर (जिन्हें इसमें इसके पण्चात् ईंधन-दक्षता परीक्षण कहा गया है) उद्योग मंत्रालय (ब्रौधोधिक पिशाण) के गांवित सवित से धनिस्न पंक्ति के मिश्रणारी द्वारा यह निर्माणित किया जाता है (इस संबंध में विए गए प्रमाणपत्र की इसमें इसके पश्चात् ईंधन-दक्षता प्रमाणपत्र कहा गया है) कि ऐसी मोटर कार----

- (i) 1000 घन मेंटीमीटर से अधिक किन्तु 1400 घन सेंटीमीटर से अनिधिक ईंजन क्षमता वाली मीटर कार की दला में, प्रति लीटर पेट्रोझ में कम से फम 17 किलोमीटर खलेगी;
- (ii) 1400 घन सेंटीमीटर से प्रधिक इंजन क्षमता वाली मोटर कार की दशा में, प्रति लीटर पैट्रोल में कम से कम 15 किलोमीटर बलेगी;

ऐता करते समय निम्धिलिधित की ध्यान में रखा आएता, का हुएन

- (क) इंसन-दक्षता प्रीक्षण----
  - (i) 1000 धन सेंटीमीटर से प्रश्निक किन्तु 1402 धन सेंटीमीटर से प्रनिधक इंजन दक्षता काली मीटर कार की बंगा में 375 किलोग्राम ग्राय-भार से किया जाएंगा, ग्रीर
  - (ii) 1400 घर सेटीमीटर में प्रधिक इंजन क्षमता वाली मोटर कार की दशा में, 450 किलोग्राम ग्राय-भार से किया जाएगा;
- (च) इंश्वन वस्ता परीक्षण ऐसे पेट्रोल का प्रयोग करके किया जाएगा जिसका आंकर्टेन लेक्ज 87 से अस्तिक नहीं है;

- (ग) देवन-व्यक्त परीक्षण किसी विशिष्ट लेखन परीक्षण पर पर कन से कम एक किमोमीटर तूरी तक 50 किलोमीटर प्रति घंटे की धपरिवर्ती गति से किया जाएगा धीर परीक्षण करने के लिए धीसतन 20 चक्कर लगाए आएंगे जिनमें से 10 चक्कर प्रत्येक दिशा में होंगे धीर परीक्षण प्रक समुद्र तन को ऊंचाई तक और + 25° सें, परिवेश ताप के धाबार पर संगोबित किए आएंगे;
- (भ) ईंधन-दंखता परीक्षण, उत्पादन संयंत्र से परीक्षण भिक्तिता द्वारा संहसा चुनी गई पांच मीटर कारों पर किया जाएगा ग्रीट परीक्षण भंकों में से न्यूननम संक, ईंगड-इतट उत्पापपत्र दिए जाने के प्रयोभन के लिए सुसंगत होगा ।
- 2. इस प्रकार दिशा गया इंग्रन-दक्षता प्रमागगन्न दिए जा। की तारीख से छह मास को भवधि के लिए बिधिमान्य होगा।
- 3. नहां आधानकां इस अविध्रुवना के मधीन छूट का हरार है किन्तु आधात के समय इंधन-दक्षता प्रमाणपत्न पेत करने में नर्न नहीं है वहां ऐसा आधानकर्ता, सहायक सीक्षानुक कलक्टर की यह बनावंत्र करेगा कि वह ऐसा इंधन-दक्षता प्रमाणपत्न घाठ सप्ताह की घनिक के भीतर या बार सप्ताह से घनिक और वटाई गई ऐसी घनि के भीतर जो सीमा-मुक्क कलक्टर द्वारा प्रवधारित की जाए, पेस करेगा तथा वह इसमें घंतिकट छूट के न विष् जाने की दणा में उत्प्रकृषीय शुक्त शीर प्राथात के समय पहले ही सदल शुक्क के बीच के धनर का सेता करा का भी बचनवंद्र उस दक्षा में करेगा जब वह उनत स्वांत के भीतर ईशन-दनना प्रमाणपत पेस करने में धसकल रहता है।

4. बहु प्रधित्वाना 31 विषया, 1983 तक, जियन यह नारीख भो सम्मिलित है, प्रवृत्त रहेगी ।

#### NOTIFICATION

### No. 469 86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 1316(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts fuel-efficient motor cars of engine capacity exceeding 1000 cubic centimetres, falling under heading No. 87.03 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), from so much of the duty of excise leviable thereon which is specified in the said Schedule as is in excess of the amount calculated at the rate of twenty-five per cent ad valorem:

Provided that such fuel-efficient motor cars are manufactured under a phased manufacturing programme duly approved by the Ministry of Industry and the Industrial Adviser of the Directorate General of Technical Development in the Ministry of Industry and the manufacturer produces a certificate from the Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development showing the details of the degree of indigenisation required to be achieved under the aforesaid programme and the actual degree of indigenisation achieved in the preceding financial year and in a case where the degree of indigenisation achieved in the preceding financial year is lower than the degree as per the approved programme, the manufacturer also produces a certificate from an officer not below the rank of a Joint Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) certifying that the failure in achieving the required degree of indigenisation is on account of valid reasons to be recorded in writing and that such failure is marginal.

Explanation.—For the purposes of this notification, "fuel-efficient motor car of engine capacity exceeding 1000 cubic centimetres" means a motor car which is certified to run—

- (i) not less than 17 kilometres per litre of petrol in the case of a motor car of engine capacity exceeding 1000 cubic centimetres but not exceeding 1400 cubic centimetres; and
- (ii) not less than 15 kilometres per litre of petrol in the case of a motor car of engine capacity exceeding 1400 cubic centimetres.

by an officer not below the rank of a Joint Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) (certificate issued in this regard hereinafter referred to as "fuel-efficiency certificate") on the basis of the tests (hereinafter referred to as the fuel-efficiency test) carried out by the Vehicle Research Development Establishment of the Ministry of Defence, Ahmednagar (Maharashtra), having regard to the following, namely:—

- (a) the fuel-efficiency test shall be conducted-
  - (i) with a payload of 375 kilograms in the case of a motor car of engine capacity exceeding 1000 cubic centimetres but not exceeding 1400 cubic centimetres, and
  - (ii) with a payload of 450 kilograms in the case of a motor car of engine capacity exceeding 1400 cubic centimetres;
- (b) the fuel-efficiency test shall be conducted using petrol having an octane level not exceeding 87;
- (c) the fuel-efficiency test shall be carried out on a selected level test track at a stready speed of 50 kilometres per hour for a minimum stretch of one kilometre and the average of 20 runs, comprising of 10 runs in each direction, shall be taken for carrying out the tests and the test figures shall be corrected to see level altitude and to plus 25 degree centigrade ambient temperature;
- (d) the fuel-efficiency test shall be conducted on five motor cars selected at random by the testing agency from the production plant and the lowest of the test figures shall be relevant for the purpose of issuing fuelefficiency certificate.
- 2. The fuel-efficiency certificate so issued shall be valid for a period of six months from the date of issue.
- 3. Where a manufacturer is entitled for exemption under this notification but is not able to produce a fuel-efficiency certificate at the time of clearance such manufacturer shall undertake to the Assistant Collector of Central Excise that he will produce such fuel-efficiency certificate within a period of eight weeks or such further extended period not exceeding four weeks as may be determined by the Collector of Central Excise and also undertake to pay an amount equal to the difference between the duty leviable but for the exemption contained herein and

that already paid at the time of clearance, if he fails to produce the fuel-efficiency certificate within the said period.

4. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of December, 1988.

#### श्रधिसूचना

### स . 502/86-सीमाशुल्क

सा. का. नि. 1317 (अ) :---केन्द्रीय सरकार, सीमायुल्क प्रधि-नियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रयक्त मिलतयों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाक्षान हो जाने पर कि लोकहिल में ऐसा करना आवश्यक है, 1000 धन सेंटीमीटर से अधिक हंजन क्षमता वाली इंधन-दक्ष मोटर कारों में विनिर्माण के सिए; अपेकित संघटकों को (जिनके मन्तर्गत जर्ड धवाधात पैक और पूर्णतया अयाधात पैक में ईंधन-दक्ष मोटर कारों के संघटक हैं) :---

- (क) सीमाशुल्क टैरिफ ध्रिधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली इन्तुसूची के ध्रिधीन जन पर उद्देशहणीय उतने सीमा-णुल्क से जितना मूल्य के 25 प्रतिशत की दर पर संगणित रकम से ध्रिक है; और
- . (ख) उन्तः सीमाशुल्क टैरिक ग्रह्मिनयम की घारा 3 के ग्रधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त ग्रतिरिक्त शुल्क से,

निम्नलिखित शतों के घ्रधीन रहते हुए, छुट देती है, प्रथात् :---

- (1) इसमें ध्रम्लिक्ट छूट, 1000 वन सेंटीमीटर से अधिक इंजन क्षमता नाशी ईवन-दक्ष मोटर कारों के विनिर्माण के लिए ध्रंपेक्षित केवल उन्हीं संघटकों को (जिनके अस्त-गंत ध्र-दें घनामात पैक और पूर्णस्या ध्रवायात पैक में ईघन-दक्ष मोटर कारों के संघटक हैं) लागू होगी जो तकनीकी विकास महानिदेशालय के औद्योगिक सलाहकार या ध्रपर औद्योगिक सलाहकार से ध्रनिम्न पंक्ति के अधिकारी द्वारा और उद्योग मंत्रालय (औद्यो-गिक विकास विधाग) के संयुक्त सचिव से ध्रनिम्न पंक्ति के अधिकारी द्वारा प्रमाणित सूचियों के ध्रम्तगंत ध्राते हैं;
- (2) प्रायातकर्ता, सीमाशुन्क सहायक कलक्टर के समक्ष इस ग्रायय का साक्ष्य पेन करता है कि उक्त संघटकों का (जिनके ग्रन्तगैत ग्रर्ड ग्रेवाधात पैक और पूर्णतया भ्रवामात पैक में ईंग्रन-दक्ष मोटर कारों के संघटक हैं) 1000 घन सेंटीमीटर से ग्रीधक इंजन क्षमता वाली ईंग्रन-दक्ष मोटर कारों के विनिर्माण के लिए उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के तकनीकी विकास (औद्योगिक विकास विभाग) के तकनीकी विकास महासिदेशालय के बौद्योगिक सलाहकार या ग्रापर औद्योगिक सलाहकार द्वारा सम्यक् रूप से भनु-मोदित कार्यक्रम के भ्रधीन ऐसे ग्रायातकर्ता द्वारा भ्रायात किया गया है;
- (3) ग्रायातकर्ता, तकनीकी विकास महानिदेशालय के ओयांगिक सलाहकार से पूर्वोक्त कार्यक्रम के प्रधीन प्राप्त
  किए जाने के लिए प्रपेक्षित देशीकरण की बिग्नो और
  पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में प्राप्त देशीकरण की वास्तविक
  डिग्नी का विस्तृत क्यौरा दिश्त करने वाला प्रमाण-पत्न
  पेश करता है और किसी ऐसे मामने में जहां पूर्ववर्ती
  वित्तीय वर्ष में प्राप्त देशीकरण की डिग्नी उस डिग्नी
  से निम्न है जो कार्यक्रम के ग्राधीन ग्रनुमोदित की गई
  है वहां ग्रायातकर्ता, उद्योग मंत्राक्षय (औद्योगिक विकास

विभाग) के संयुक्त मजिय से प्रतिस्त पंक्ति के प्रधि-कारी से प्रमाण-पत्न भी पेग करता है जिसमें यह प्रमा-णित किया गया हो कि देशीकरण की अपेक्षित डिग्री को प्राप्त करने में प्रमफलता विधिमान्य कारणों की वजह से है जो उसमें लेखबद किए जाएंगे और ऐसी असफलता न्यूनतम है।

(4) द्रायमिकती ऐसी द्रावधि के भीतर जो मीमागुल्क सहा-यक कलक्टर ईस निमित्त विनिद्दिष्ट करे, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलक्टर में जिसकी द्राधिकारिता में ऐसी ईंधन-दक्ष मोटर कारों का विनिर्माण करने वाला कारखाना स्थित है, इस द्राशय का प्रमाण-पदापेश करेगा कि ऐसे द्रायात किए गए संघटकों का 1000 घन गेंटीमीटर से द्राधिक इंजन अमता वाली ईंधन-दक्ष मीटर कारों के विनिर्माण में प्रयोग किया गया है।

स्पष्टीकरण इस अधिसूचना के प्रयोजमीं के लिए, "1000 घन सैंटीमीटर से अधिक इंजर्म अमता बाली ई छन-दक्ष मोटर कार" से ऐसी मोटर कार अभिनेत हैं जिसके बारे में अहमदनगर (महाराष्ट्र) स्थित रक्षा मौतालय के यान अनुसंधान विकास स्थापन द्वारा किए गए परीक्षणों के आधार पर (जिन्हें इसमें इसके पश्चाल् ई धन-दक्षता परीक्षण कहा गया है) उद्योग मौतालय (औद्योगिक विकास विभाग) के संयुक्त सचिव से अनिम्न पंक्षित के अधिकारी द्वारा यह प्रमाणित किया जाधा है (इस संबंध में दिए गए प्रमाण-पन्न को इनमें इंसके पश्चाल् इंछन दक्षता प्रमाण-वन्न कहा गया है) कि ऐसी मोटर कार--

- (1) 1000 घन सेंटीमीटर से प्रधिक किन्तू 1400 घन सेंटीमीटर से प्रनिधक इंजन अमता वाली मीटर कार की दक्षा में, प्रति लोटर पेट्रोज में कम लेकम 17 किनोमीटर चलेगी;
- (2) 1400 धन सेंटीमीटर से अधिक इंजन अमता वाली मोक्टर कार की दशा में, प्रति क्षीटर पैट्रोल में कम से कम 15 किसोमीटर चलेगी,

ऐमा करते समय निम्नसिखित को घ्यान में रवा जाएगा, भयात्ः— (क) इंधय-दक्षता परीक्षण—

- (1) 1000 घन सेंटीमीटर ने श्रिष्ठिक किन्तु 1400 घून सेंटीमीटर से धनिधिक इंजन क्षमता वाली मोटर कार की वशा में, 375 किनोग्राम श्रायभार से किया जाएगा, भीर
- (2) 1400 पन सेंटोमीटर से प्रधिक ईंग्रन क्षमता वाली से मीटर कार की दणा में, 450 किलोग्राम प्राथभार से किया जाएगा;
- (खा) ईक्षन-बक्षता परीक्षण ऐपे पैट्रोल का प्रयोग करके किया जाएगा जसका बाक्टेन लेवल 87 में अधिक नहीं हैं;
- (ग) ईंधन-प्रक्षता परीक्षण किसी विशिष्ट लेगन परीक्षण पथ पर कम मे कम एक किलोमीटर दूरी तक 50 किलोमीटर प्रति घंटे की धपरिवर्ती गति मे किया जाएगा भीर परीक्षण करने के लिए भीसतन 20 वक्कर लगाएं जाएंगे जिनमें से 10 चक्कर प्रत्येक विशा में होंगे भीर परीक्षण श्रंक समुद्र नल की उंचाई तक श्रीर +25° सें, परिवेश नाप के श्राधार पर संगोधित किए जाएंगे;
- (प) ईक्षन दक्षता परीक्षण, उत्पादन संयंत्र से परीक्षण श्रमिकर्ता द्वारा सहसा चुनी गई पांच मोटर कारों पर किया जाएगा ग्रीर परीक्षण ग्रंकों में से न्यूनतम ग्रंक, ईक्षन दक्षता प्रमाण-पत्न दिए आने के प्रयोजन के लिए मुसंगत होगा।
- इस प्रकार दिया गया ईखन दक्षता प्रमाण-पत्न दिए जाने की तारीख से छह मास की अवधि के लिए विधिमान्य होगा।

3. जहा धायातकर्ता इस अधिपूजना के सवीन हूंट का हकदार है किन्तु धायात के समय इंधन दक्षता प्रमाण-पन्न पेग करने में समर्थ नहीं है वहां ऐसा अध्यातकर्ता, सहायक सीमार्थ के सलकर की यह बचन- वंध करेगा कि वह ऐसा इंधन दक्षता प्रमाण-एक भाउ मन्ताह की अविधि के सीतर या चार सन्ताह से अनिधिक अंत वढ़ाई गई ऐनी अविधि के भीतर या चार सन्ताह से अनिधिक आंत वढ़ाई गई ऐनी अविधि के भीतर जो सीमाश्चक कलक्टर द्वारा अवधारित की वाए, पेग करेगा नथा बहु इसमें अन्तिविद्ध छूट के न दिए जाने की दशा में उद्प्रहणीय शुल्क भीर धायात के समय पहले ही मंदत्त शुल्क के बीव के भीतर का संदाय करने का भी वचनबंध उस दशा में करेगा जब वह उक्त अविधि के भीतर इंधन दक्षता प्रमाण-पन्न पेश करने में अनुफन उहता है।

4. यह प्रधिसूचना 31 दिसम्बर, 1988 तक, जिनमें यह नारीख भी सम्मिलित है, प्रवृत रहेगी।

#### NOTIFICATION

### No. 502/86-CUSTOMS

G.S.R. 1317(E).—In exercise of the powerss conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the Public interest so to do, hereby exempts components (including components of fuel efficient motor cars in semi-knocked down packs and completely knocked down packs) required for the manufacture of fuel-efficient motor cars of engine capacity exceeding 1000 cubic centimetres, from :—

- (a) so much of the duty of customs which is leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as is in excess of the amount calculated at the rate of 25 per cent ad valorem; and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the Said Customs Tariff Act,

subject to the following conditions, namely:---

- (i) the exemption contained herein shall be applicable only to those components (including components of fuel efficient motor cars in semi-knocked down packs and completely knocked down packs) which are covered by lists certified by an officer not below the rank of an Industrial Adviser or Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development and an officer not below the rank of a Joint Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) to be required for the manufacture of fuel-efficient motor cars of engine capacity exceeding 1000 cubic centimetres;
- (ii) the importer produces evidence to the Assisstant Collector of Cuctoms to the effect that the said components (including components of fuel-efficient motor cars in semi-knocked down packs and completely knocked down packs) have been imported by such importer under a programme duly approved by the Ministry Industry ((Department of Industrial

Development) and the Industrial Adviser of the Additional Industrial Adviser of the Directorate General of Technical Development in the Ministry of Industry (Department of Industrial Dovelopment) for the manufacture of fuel-efficient motor cars of engine capacity exceeding 1000 cubic centimetres;

- (iii) the importer produces a certificate from the Industrial Advisor in the Directorate General of Technical Development showing the details of the degree of indigensation required to be achieved under the aforesaid programme and the actual degree of indigenisation achieved in the proceding financial year and in a case where the degree of indigenisation achieved in the preceding financial year is lower than the degree as per the approved programme, the importer also produces a certificate from an officer not below the rank of a Joint Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Develepment) certifying that the failure in achieving the required degree of indigenisation is on account of valid reasons to be recorded in writing and that such failure is marginal;
- (iv) the importer shall, within such period as the Assistant Collector of Customs may specify in this behalf, produce a certificate from the Assistant Collector of Central Excise in whose jurisdiction the factory manufacturing such fuel-efficient motor cars is situated to the effect that such imported components have been used in the manufacture of fuel-efficient motor cars of engine capacity exexceeding 1000 cubic centimetres but not

Explanation:—For the purposes of this notification, "fuel-efficient motor car of engine capacity exceeding 1000 cubic centimetres" means a motor car which is certified to run:—

- (i) not less than 17 kilometres per litre of petrol in the case of a motor car of engine capacity exceeding 1000 cubic contimetres but not exceeding 1400 cubic centimetres;
   and
- (ii) not less than 15 kilometres per litre of petrol in the case of a motor car of engine capacity exceeding 1400 cubic centimetres,

by an officer not below the rank of a Joint Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) (the certificate issued in this regard hereinafter referred to as the fuel-efficiency certificate) on the basis of the tests (hereinafter referred to as the fuel-efficiency test) carried out by the Vehicle Research Dovelopment Establishment of the Ministry of Defence, Ahmednagar (Maharashtra), having regard to the following, namely:—

- (a) the fuel-efficiency test shall be conducted :-
  - (i) with a payload of 375 kilograms in the case of a motor car of engine capacity

- exceeding 1000 cubic centimetres but not exceeding 1400 cubic contimetres; and
- (ii) with a payload of 450 kilograms in the case of a motor car of engine capacity exceeding 1400 cubic centimetres;
- (b) the fuel-enteriency test shall be conducted using petrol having an octane level not exceeding 87:
- (c) the fuel-efficiency test shall be carried out on a selected level test track at a steady speed of 50 kilometres per hour for a minimum stretch of one kilometre and the average of 20 runs, comprising of 10 runs in each direction, shall be taken for carrying out the tests and the test figures shall be corrected to sea level altitude and to +25°C ambient temrature;
- (d) the fuel efficiency test shall be conducted on five motor cars selected at random by the testing agency from the production plant and the lowest of the test figures shall be relevant for the purpose of issuing fuel efficiency certificate;
- 2. The fuel efficiency certificate so issued shall be valid for a period of six months from the date of issue.
- 3. Where an importer is entitled for exemption under this notification but is not able to produce a fuel efficiency certificate at the time of importation such importer shall undertake to the Assistant Collector of Customs that he will produce such fuel efficiency certificate within a period of eight weeks or such further extended period not exceeding four weeks as may be determined by the Collector of Custom and also undertake to pay an amount equal to the difference between the duty leviable but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation, if he fails to produce the fuel efficiency certificate within the said period.
- 4. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of December, 1988.

#### प्रधिसूचना

### मं. 503/86-सीमाण्लक

सा.का. ति. 1318 (अ):

केन्द्रीय सरकार, सीमाशुक्त प्रिविषयम,
1962 (1962 का 52) की घारा 25 की उपघारों (1) द्वारा
प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घपना यह समाधान हो जाने पर
कि लोक हित में ऐसा करना घांत्रयक है, 1000 धन सेंटीमीटर से
ध्रिष्ठ इंजन अमता वाली इंधन-देश मोटर कारों के विनिर्माण के निए
अपेक्षित संघटकों को,

•

(क) सीमागुस्क टैरिक प्रक्रिनियम, 1973 (1975 का 51) की पहली प्रनुस्की के प्रधीन उन पर उद्ग्रहणीय उतने सीमागुस्क से जितना मूस्य के 25 प्रतिशत की दर पर संगणित एकक से प्रक्रिक हैं: ग्रीर

- (चा) उदत सीमाणुल्क टैरिफ ममिनियम की घारा 3 के मधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त मितिरिक्त कुरू से, निम्नलिखित शर्तों के मधीन रहते हुए, छुट देती है, भ्रमीत्:
  - (i) उपत संघटकों कर 1000 घन सेंटीमीटर से प्रधिक इंजन क्षमता बाली ईंग्रम-दक्ष बोटर कार के विनिर्माता द्वारा प्रांगत किया जाता है;
  - (ii) सक्तमीकी विकास महानिदेशालय के प्रौद्योगिक सलाह-कार या प्रपर भौद्योगिक सलाहकार से धनिन्न पंक्ति के धिकारी और उद्योग मंद्यालय (श्रीद्योगिक विकास विभाग) के उप-सिजब से धनिन्न पंक्ति के धिकारी का प्रत्येक मामले में यह समाधान हो जाता है और वे यह प्रमाणित करते हैं कि संबद्धकों का 1000 घन सेंटीमीटर से धिक इंजन समसा वाली इंधन-दक्ष योटर कारी के उक्त विजिमीता द्यारा प्रिपने माहकों को सारटीज्याप्ति या विजय पश्चात् सेमा (बाहे मुफ्त या खर्च पर) देने के प्रयोजन के लिए ग्रायात किया गया है.
  - (iii) ऐसी ईलन-दक्ष मोटर कारों का विकिसीय, उद्योग मंत्रालय हारा भीर उद्योग मंत्रालय के तक्षमीकी विकास महानिदेशासम के भीचोणिक सलाहकार द्वारा सम्मक रूप ने भन्मोदित समंजित द्विनिर्माण कार्यक्रम के श्रधीन किया जाला है और भाषातकर्ता, तकनीकी विकास महाभिवेशां लग के भौबोगिक मलाहकार से पूर्वोक्त कार्यक्रम के ब्रधीन प्राप्त किए जाने के लिए ब्रपेक्षित देशीक रण की डिग्री मौर पूर्वकर्ती विक्रीय वर्ष में प्राप्त वेशीसरण की वास्तविक विग्नी का विस्तृत स्पीरा यक्तित करने वाला प्रमाणपत्र पेश करता है और किसी ऐसे मानले में जहां पूर्ववर्ती विसीय वर्ष में प्राप्त देशीकरण भी डिग्री उस डिग्री से निम्म है जो कायकम के सधीन सनुमोदित की गई है वहां भागातकर्ता, उद्योग मंत्रालय (श्रीकोगिक विकास विभाग) के संयुक्त सचिव से ग्रानिश्न पंक्ति के श्रीवकारी से प्रमाणपत भी पेत करता है जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि देशीकरण को अपेक्षित बिग्री को प्राप्त करने में अस-फलता विधि मान्य कारणों की बजह से है जो उसमें सेखबढ़ किए जाएंगे और ऐसी असफलता स्पन्तम

स्पष्टीकरणः इस धिम्मुचना के प्रयोजनों के लिए, "1000 चन खेंटीभीटर से प्रसिक उँधन लगता वाली उँजन-दक्ष मोटर कार"
से ऐसी मोटर कार प्रभित्रेत है जिसके वारे में धहमदनगर
(महाराष्ट्र) स्थित रक्षा मंत्रालय के यान धनुसंघान विकास
स्थापन द्वारा किए गए परीव जो के धाधार पर । (जिन्हें
इसमें इसके पश्चात ईंधन-इक्षता परीक्षण ) कहा गया है)
छचीग मंद्रालय (श्रीक्षोगिक विकास विभाग) । के संयुक्त
सचिव से धनिन्न पंक्ति के प्रक्षिकारी द्वारों वह प्रमाणित
किया जाता है (इस संबंध में विए गए प्रमाणपत्न को इसमें
इसके पश्चात् इंधन-दक्षता प्रमाणपत्न कहा गया है) कि ऐसी
मोटर कारः

(i) 1000 जन सेंटीमीटर से धिक्रक किन्तु 1400 घन सेंटीमीटर से धनिधिक इंजन समता बाली बोटर कार की दशा में, प्रति: जीटर पेट्रोल में कम से कम 17 किलोमीटर कालेगी; धीर (ii) 1400 यन सेंटीमीटर से ऋषिक इंजन क्षमता वाली मोटर कार की देशा में, प्रति लीटर पेट्रोल में कम से कम 15 किलोमीटर चलेगी;

ऐसा करते समय निम्निसिखत को ध्यान में र**खा जाएगा**, क्रथीत्ः—

### (क) इँधन दक्षता परीक्षण---

- (i) 1000 वन सेंटीमीटर से प्रधिक किंतु 1400 वन सेंटीमीटर से प्रनिधक प्रजन क्षमता वाली मीटर कार की दशा में, 375 किलोबाम प्राथमार के साथ किया जाएगा; भौर
- (ii) 1400 मन सेंटोमीटर से प्रधिक इंजन क्षमता वाली मोटर कार की दला में, 450 फ्रायभार के सांव किया जाएगा:
- (स) ईंधन दक्षता परीक्षण ऐसे पेट्रांस का प्रयोग करके किया जाएगा जिसका भाकटेन लेवल 87 से मधिक नहीं है;
- (ग) ईअन दक्षता परीक्षण किसी विशिष्ट लेवल परीक्षण पथ पर फम से कम एक किलोमीटर दूरी तक 50 किलोमीटर प्रति मंटे की ग्रपरिवर्ती गीत से किया जाएगा और परीक्षण करने के लिए भीसता 20 चन्कर खगए जाएगे जिसमें से 10 चन्कर प्रत्येक दिशा में होंगे भीर परीक्षण श्रंक समुद्रे तल की जवाई तक और 1-25° सेंटी परिवेश ताप के शाधार पर मंणीखित किए जाएंगे, श्रौर
- (घ) ईक्षन दक्षता परीक्षण, उत्पादन संग्रंत से परीक्षण प्रशिक्ती द्वारा सहसा जुनी गई पांच मीटर कारों पर किया जाएगा भीर परीक्षण मंकों में से स्थूनतम मंक, ईक्षन दक्षना प्रमाणपत्र दिए जाने के प्रयोजन के लिए सुसंगत होगा।
- 2: इस प्रकार विया गया इंग्रन दक्षता प्रभागपत्र विए जाने की तारीख से छह मास की ग्रवधि के लिए विधिमान्य होगा।
- 3. जहां प्रायानकर्ता इस प्रक्षित्यका के प्रधीन छूट का हक्क्वार किंदु प्रायात के समय ईंधन दक्षता प्रमाणपत्र पेस करने में समयं नहीं है वहां ऐसा प्रायातकर्ता, सहायक सीमानुरक कसक्टर को यह बचनवंश्व करेगा कि वह ऐसा ईंधन दक्षता प्रमाणपत्र थाठ सप्ताह की प्रवधि के भीतर या चार सप्ताह से प्रनिष्क और बढ़ाई गई ऐसी भ्रवधि के भीतर जो सीमानुरक कलक्टर द्वारा भवधारित की जाए, पेस करेगा तथा वह इसमें मंतविष्ट छूट के न विए जाने की दशा में उद्महणीय मुक्क भीर प्रायात के समय पहले ही संदर्भ गुक्क के बीच के प्रतर का सदाय करने का भी वचनवन्त्र उस दक्षा में करेगा जब वह उनत प्रवधि के भीतर इंकन दक्षता प्रमाणपत्र पेश करने में इसक्षत रहता है।
- यह प्रधिसूचना 31 दिसम्बर, 1988 तक, जिसमें ∤यह तारीखा भी सम्मिलित है, प्रयुक्त रहेगी।

#### NOTIFICATION

### NO. 503|86-CUSTOMS

- G.S.R. 318(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts components of fuel-efficient motor cars of engine capacity exceeding 1000 cubic centimetres, from
  - (a) so much of the duty of customs which is leviable thereon under the First Schedule

- to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as is in excess of the amount calculated at the rate of 25 per cent ad valorem; and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely:—
- (i) that the said components are imported by a manufacturer of fuel-efficient motor car of engine capacity exceeding 1000 cubic contimetres;
- (ii) that an officer not below the rank of an Industrial Adviser or Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development and an officer not below the rank of a Deputy Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) are satisfied and certifiy in each case to the effect that the components are imported for the purpose of providing warranty coverage or after sales service (whether free of cost or at a price) by the said manufacturer of fuel-efficient motor cars of engine capacity exceeding 1005 cubic centimetres to their customers;
- (iii) that such fuel-efficient motor cars are manufactured under a phased manufacturing programme duly approved by the Ministry of Industry and the Industrial Adviser or the Directorate General of Technical Development in the Ministry of Industry and the importer produces a certificate from the Industrial Adviser in General of Technical the Uirectorate Development showing the details of the degree of indigenisation required to be achieved under the aforesaid programme and the actual degree of indigenisation achieved in the preceding financial year and in a case where the degree of indigenisation achieved in the preceding financial year is lower than the degree as per the approved programme, the importer also produces a certificate from an officer not below the rank of a Joint Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) certifying that the failure in achieving the required degree of indigenisation is on account of valid reasons to be recorded in writing and that such failure is marginal.

Explanation — For the purposes of this notification, "fuel-efficient motor car of engine capacity exceeding 1000 cubic centimetres" means a motor can which is certified to run —

(i) not less than 17 kilometers per litre of petrol in the case of a motor car of engine capacity exceeding 1000 cubic centimetres but not exceeding 1400 cubic centimetres; and (ii) not less than 15 kilomoters per litre of petrol in the case of a motor car of engine capacity exceeding 1400 cubic centimetres.

by an officer not below the rank of a font Sciller tary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) (the certificate issued in this regard hereinafter referred to as fuel efficiency certificate) on the basis of the tests (hereinafter referred to as the fuel-efficiency test) carried out by the Vehicle Research Development Establishment of the Ministry of Defence, Ahmednagar (Maharashtra), having negard to the following, namely:—

- (a) the fuel-efficiency test shall be conducted—
  - (1) with a page of 375 kilograms in the case of a motor car of engine capacity exceeding 1000 cubic centimetres but not exceeding 1400 cubic centimetres, and
  - (ii) with a page of 450 kilogram in the case of a motor car of engine capacity exceeding 1400 cubic centimetres;
- (b) the fuel-efficiency test shall be conducted using petrol having an octane level not exceeding 87;
- (c) the fuel-efficiency test shall be carried out on a selected level test track at a steady speed of 50 kilometers per hour for a minimum stretch of one kilometer and the average of 20 runs, comprising of 10 runs in each direction, shall be taken for carrying out the tests and the test figures shall be corrected to sea level altitude and +25°C ambien temperature;
- (d) the fuel-efficiency test shall be conducted on five motor cars selected at random by testing agency from the production plant and the lowest of the test figures shall be relevant for the purpose of issuing fuelefficiency certificate.
- 2. The fuel efficiency certificate so issued shall be valid for a period of six months from the date of issue.
- 3. Where an importer is entitled for exemption under this notification but is not able to produce a fuel-efficiency certificate at the time of importation such importer shall undertake to the Assistant Collector of Customs that he will produce such fuel-efficiency certificate within a period of eight weeks or such further extended period not exceeding four weeks as may be determined by the Collector of Customs and also undertake to pay an amount equal to difference between the duty leviable but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation, if he fails to produce the fuel-efficiency certificate within the said period.
- 4. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of December, 1988.

#### प्रधिभूचना

### सं. 504/86-सीमाणुल्क

सा.का.नि. 1319(अ):—केन्द्रीय सरकार, विक्त प्रिवितियम, 1986 (1986 का 23) की धारा 49 की उपधारा (4) के साथ पिटत सीमाशृल्क प्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 125 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना प्रावश्यक है, भारत सरकार के विक्त मंत्रालय (राजस्य विभाग) की प्रधिस्वता सं. 314/86-सीमा-शृल्क, तारीख 13 मई, 1986 में निम्नलिखित प्रौर संशोधन करती है, प्रार्थन :—

उक्त प्रश्निस्चना की प्रमुसूची में,---

कम संख्या 72 मीर उससे संबंधित प्रविध्यि के पश्चात् निम्नलिखित कम मं. भीर प्रविध्यियो श्रंतःस्थापित की जाएंगी, श्रयोत् : ---

"73. सं. 502—सोमाशुल्क, तारी**ख** 24 दिसम्बर, 1986

74. मं. 503--सीमाशुल्क, तारीख 24 विसम्बर, 1986".

#### NOTIFICATION

## NO. 504|86-CUSTOMS

G.S.R. 131<sup>G</sup>(F).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 49 of the Finance Act, 1986 (23 of 1986), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 314|86| Customs, dated the 13th May, 1986, namely:—

- In the Schedule to the said notification, after Sl. No. 72 and the entry relating thereto the following Sl. Nos. and entries shall be inserted, namely:—
- "73. No. 502-Customs, dated the 24th December, 1986
- 74. No. 503-Customs, dated the 24th December, 1986".

### भिधसूचना

### सं. 505/86<del>- सीमागुल्क</del>

मा.का. ति. 1320(अ) ं → केन्द्रीय सरकार, सीमाणुत्क प्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की घारा 25 की उपघारा (1) द्वारा प्रदक्त प्राप्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना प्रावश्यक है, भारत सरकार के बिक्त मंत्रालय (राजस्व विमाग) की ऐसी प्रत्येक प्रधिसूचना को, जो इससे उपाबद्ध सारणी के ग्लंभ (2) में विनिविष्ट है, उकत सारणी स्तंभ (3) में की तत्स्थानी प्रविद्धि में विनिविष्ट रीति से, यथास्थित, संशोधित या भौर संगोधित करती है।

सारणी

क. घिसूचना सं. धौर तारीख संगोधन
 सं.
 1 2 3

 सं. 29/83-सीमाशुक्क तारीख 25 फरवरी, 1983 उक्स मधिसूचना में,---

- (क) प्रारंभिक पैरा में,---
- (i) खंड (i) भीर (ii) में, "मारी उद्योग विभाग" मब्दों के स्थान पर, जहां जहां वे श्राते हैं, "श्रीद्योगिक विकास विभाग" मब्द रखे जाएंगे;
- (ii) खंड (ii) के मंत में माने बाले "मीर" शब्द का लोप किया जाएना मीर खंड (iii) के पश्चात् निम्नलिखित खंड मंतःस्थापिन किया जाएना, भ्रंथीत् :—
- "(iv) आयातकर्ता, तकनीकी विकास महानिदेशालय के पौद्योगिक सलाहकार से पूर्वीक्त कार्यक्रम के ग्रधीन प्राप्त किए जाने के लिए प्रोक्षित देशीकरण की कियी भीर पूर्ववर्ती विलीय वर्ष में प्राप्त देशीकरण की वास्तविक विग्नी का विस्तृत म्यौरा वर्षित करने वाला प्रमाण पत्र पेश करता है और किसी ऐसे मामले में जहां पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में प्राप्त देशीकरण की डिग्री उस डिग्री से भिन्न है जो कार्यक्रम के मधीन मन्-मोदिल की गई है वहां भायात-कती, उद्योग मंत्रालय (भौबोगिक विकास विभाग) के संयुक्त सचिव से घनिम्न पंक्ति के मधिकारी से प्रमाणपत्र मी पेश करता है जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि देशीकरण की भ्रपेक्षित डिग्री को प्राप्त करने में असफनता विधि-मान्य कारणों की वजह से है जो उसमें लेखबा किए आएंगे भौर ऐसी भसफलता स्यूनतम ŧı";

#### (iii)स्पष्टीकरण में,---

(क) "(भारी उद्योग विभाग)"
कोष्ठक और सब्दों के स्थान
पर "(भौद्योगिक विकास
विभाग)" कोष्ठक भौर सब्द स्थे
जाएंगे तथा "यह भ्रमाणित
किया जाता है" सन्दों के पश्चात्
"(इस संबंघ में दिए गए प्रमाण-

1347 GI/86-2

1

t

---

2

पत्न को इसमें इसके पश्चात् इंग्रन दक्षता प्रमाणपत्न कहा कहा गया है)" कोष्ट्रक और सम्बद्धात:स्थापित किए जाएंगे;

3

- (का) "या पूजे (महाराष्ट्र) स्थित भारतीय स्वचालित यंत्र मन्-संघान संगम" मन्द ग्रीर कोष्टकों का लोग किया जाएगा:
- (ग) खंब (ख) के ग्रंत में ग्राने वाले "ग्रीर" ज़ब्द का लोग किया जाएगा ग्रीर खंड (ग) के पश्चात् निम्नलिखित खंड ग्रंतः स्वापित किया जाएगा, ग्रगीत्ः⊸
- "(प) ईम्रन वक्षता परीक्षण, उत्पा-दन संयंत्र से परीक्षण मिकर्का द्वारा सहसा चुनी गई पांच मोटरकारों पर किया जाएगा भौर परीक्षण मंकों में से न्यूनलम मंक, ईम्रन वक्षता प्रमाणपत्र विए जाने के प्रयोजन के लिए सुसं गल होगा।"
- (स) पैरा 1 के पश्चात् निम्निसिखित पैरा मंतःस्थापित किया जाएंगे, मर्थात्:----
- "2. इस प्रकार विया गया ईश्वल वक्षता प्रमाणपन्न विए जाने की तारीक्ष से एक मास की श्रवश्चिके लिए विश्विमान्य होगा ।
- 3. जहां भायातकर्ता इस भविसुचना के मधीन छ्टंका हकदार है किन्तू आयात के समय ईंधन दक्षता प्रमाणपक्ष पेश करने में समर्थ नही है वहां ऐसा ग्रायातकर्ता, सहायक सीमान्हरू कलक्टर को यह वचनबंध करेगा कि वह ऐसा ईंधन दक्षता प्रमाणपक्ष माठ सप्ताह की मनधि के भीतर या चार सप्ताह से भनधिक भौर बढ़ाई गई ऐसी धवधि के भीतर जो सीमाशुरक कलक्टर द्वारा घव-धारित की जाए, पेश करेगा तथा वह इसमें शंतविष्ट छूट के न विए जाने की बना में उद्ग्रहणीय भुक्त भीर भाषात के समय पहले ही संदक्त जुल्क के बीच के अंतर का संदाय करने का भी वचनवंध उस बगा में करेगा जब बहु उक्त मबधि के भीतर इंधन दक्षता प्रमाणपत्र पेश करने में प्रसफल रहता है।";

2

----

(ग) विश्वमान पैरा 2 को पैरा 4 के रूप में पृतःसंख्यांकित किया जाएगा।

3

र्स. 6/84-सीमागुरक,
 तारीख 10 जनवरी, 1984

उन्त भक्षिस्चना में,⊸-

- (क) प्रारंभिक पैरामें,---
- (i) खंड (i) के म्रोत में माने काले "मौर" शंक्य का लोप किया जाएगा;
- (ii) खंड (ii) में, "भारी उद्योग विभाग" शब्दों के स्थान पर "भोधोगिक विकास विभाग' शब्द रखेजाएंगे;
- (iii) खंड (ii) के पश्चातृ निम्म-लिखित खंड प्रतःस्थापित किया जाएसा, प्रयति :—
- "(iii) ऐसी इंधन-दक्ष मोटर कारो का बिनिर्माण, उद्योग मंत्रालय हारा और उद्योग मंत्रालय के तकरीकी विकास महानिवेशालय के भौद्योगिक सलाहकार द्वारा सम्यक् रूप से अनुमौदित सर्ग-जित विनिर्माण कार्यकम के भन्नीन किया जाता है और भायातकर्ता, तकतीको विकास महानिवेशालय के भौद्योगिक मलाहकार मे पूर्वीयत कार्यक्रम के मर्छ।न प्राप्त किए जाने के लिए अपेक्षित देशीकरण की विभी भौर पूर्ववर्ती विसीय वर्ष में प्राप्त देशीकरण की वास्तविक विग्रीका विस्तृत भ्यौरा दशित करने वाला प्रमाणपञ्ज पेन करता है भौर किसी ऐसे मामले में जहां पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में प्राप्त देशीकरण की डिग्री, उस डिग्री से निस्त है जो कार्यक्रम के मधीन अनुमोदित की गई है वहां भाषातकर्ता, उचीग मंहा-लय (भौद्योगिक विकास विभाग) के संयुक्त सचिव से प्रतिम्त पंक्ति के अधिकारी से प्रमाणपद्ध भी पेश करता है जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि देशीकरण की अपेक्षित डिग्री को प्राप्त करने में ग्रसफलता विधिमान्य कारणों की वजह से है जो उसमें लेखबद्ध किए जाएंगे भीर ऐसी असकतता स्युवनम **書** (")。 。

,

.

.

- (iv) स्पद्धीकरण में :----
- (क) "(भागी जहाँग विभाग)"
  कोष्ठक भीर सब्दों के स्थान
  पर "(भौधोगिक विकास विभाग
  कोष्ठक और सक्द रखे जाएगे
  तथा "यह प्रमाणित किया जाता
  है" शब्दों के पश्चात (इस संबंध
  में दिल् गए। प्रमाणपत्र को इसमें
  इसके पश्चात ईधन वक्षता
  प्रमाणपत्र कहा गया है)
  कोष्ठक भौर अब्द भंतःस्थापित किए जाएगे
  - (का) "या पुणे (महाराष्ट्र स्थित भारतीय स्वजालित यंत्र प्रनुसंधान संगम" शब्द भीर कोष्टकों का सीप किया जाएगा.
- (ग) खड़ (ख) के प्रंत में प्राने बाले "मौर" तल्य का लोप किया अएगा मौर खंड (ग) के पश्चात निस्नितिखान खंड मतस्थापित किया जाएगा, प्रचितः ——
- "(ष) ईधन वअता परीक्षण, उत्पावन संयंत्र से परीक्षण मिनकर्ता ज्ञारा सहमा चुनी गई पांच मोडर कारों पर किया जाएगा और परीक्षण, ग्रंकों में से स्यूनतम प्रक, ईधन वक्षता प्रमाणपन दिए जाने के प्रयोजन के लिए सुसंगत होगा।"
  - (ख) पैरा 2 के स्थान पर निम्न-लिखित पैरा रक्षे जाएंगे, प्रमति:-
  - "2. इस प्रकार दिवा गया वैधन दक्षता प्रमाणपता विष्णु जाने की तारीक से छह मास की सबस्ति के लिए विक्रिमान्य होगा।
  - 3 जहां धायातकर्ता इस प्रधिमुखना के प्रधीन छुट का हकदार है किन्तु प्रायात के समय ईछन दक्षता प्रमाणपत्न पेश करने में समय नहीं है वहां ऐसा प्रायात-कर्ता, सहायक सीमागुरक कलकटर को यह यजनबंध करेगा कि वह ऐसा ईछन दक्षता प्रमाणपत्न याठ सन्ताह की प्रविध के भीतर या चार सन्ताह स प्रविध के भीतर जो सीमागुरक कलकटर द्वारा प्रवधारित की जाए, पेश करेगा तथा वह इसमें संविष्ट छुट के न दिए

जाने की दशा में अवश्रहणीय गुरूत और भागात के समय पहले ही संदरन गुरुक के बीच के मंतर का संदाय करने का भी

यचनकंध उस दशा में करेगा जब वह उक्त ध्रवधि के मीतर ईक्षन दशता प्रमाणपक पेश करने में ससफल एहता है।

4 यह प्रधिसूचना 24 फरवरी, 1988 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रवृत्त रहेगी"।

3 मं. 254/84—सीमागुल्क, मारीख 8 प्रक्तूबर, 1984 उक्त ग्रक्षियूचना में ⊸,

- (क) प्रारंभिक पैरा में,⊸⊸
- (i) "ऐसी समता वाली ईवन-दक्ष मोटर कार जिनकी इंजन अगता 1000 क्यूबिक सेंटीमीटर ने प्रधिक न हो" सब्द और प्रकों के स्थान पर इं"ईधन दक्ष मोटर कार" सन्द रखें जाएंगे।
- (ii) खंड (i) भीर (ii) में, "भारी उद्दोग मंत्रालय" कब्दों के स्थान पर, जहां जहां वे माते हैं "भौशोगिक विकास विभाग" ग्रन्द रखे जाएगे;
- (iii) खंड (ii) के भ्रंत में भाने बाले "स्रीर" गर्द का लोप किया जाएगा और खंड (iii) के पश्चात निम्नलिखित खंड भ्रंतःस्पापित किया जाएगा, ग्रामीतः—--
- "(iv) भायातकर्ता, तकनीकी विकास महानिदेशालय के श्रीदीगिक मलाहकार से पूर्वीकत कार्यक्रम के सबील प्राप्त किए जाने के सिए भवेक्षित देशीकरण की विश्री श्रीर पूर्ववर्ती वितीय वर्ष में प्राप्त वेशोकरण की वास्त्रविक कियी का बिस्तूत व्यौरा दिवत करने वाला प्रमाण-पक्ष पेश करता है और किसी ोने मामले में जहां पूर्ववर्ती वितीय वर्ष में प्राप्त देशीकरण की डिग्री, उस डिग्री में निम्न है जो कार्यकम के मधीन की गई है घन,मोदित वहां भाषातकर्त, उद्योग मंत्रालय (श्रीयोगिक विकास विभाग) के संध्वत सविव से प्रतिम्त पंक्ति के प्रधिकारी से प्रमाण-पत्र भी पेश करना है जिसमें

1

2

3

2

यह प्रमाणित किया गया हो कि देगोकरण की प्रवेशित बिग्री की प्राप्त करने में ध्रसफलता विश्विमान्य कारणों की वजह से है भी उसमें लेखबढ़ किए जाएने प्रीर ऐसी प्रमफलता न्युनतम है";

- (iv) स्पष्टीकरण में,
- (क) (i) के पश्चात निम्नलिखित स्रंड द्यंत स्थापित किए जाएंगे, मर्थात:—
- "(ii) 1000 भन संटोमीटर से प्रिष्ठिक किन्तु 1400 घन संटो-मीटर से प्रनिधिक इंजन क्षमता बाली मोटर कार की दशा में, प्रति लोटर पेट्रील मैं कम से कम 17 किलोमीटर चलेगी; ग्रीर
- (iii) 1400 धन सेटीमीटर में मधिक इंजन अमता बाली मीटर कार की दक्षा में, प्रति लीटर पेट्रोल में कम से कम 15 किलोमीटर चलेगी,";
- (ख) "(भारी उद्योग विभाग)" कोष्डक स्वीर शब्दों के स्थान पर "(द्यौटोगिक विकास विभाग)" कोष्ठक भीर शब्द रक्षे आएगे तथा "संयक्त सवित्र से प्रतिस्त पंतित के प्रक्षिकारी द्वारा'' शब्दों के पश्चात "यह प्रमाणित किया जाता है (इस संबंध में दिए गए प्रमाणपत्न की इसमें इसके पश्चात ईधन वक्षता प्रमाणपन कहा गया है) कि मोटर कार" शब्द और कोष्टक ग्रंतःस्थापित किए आएगे:
- (ग) "या पुणे (महाराष्ट्र) स्थित भारतीय स्वचालित यंत्र मनु-संधान संगम" शब्द ग्रीर कोटकों का लोप किया जाएगा।
- (घ) खंड (क) में, उपखंड (i) के पश्चान निम्नलिखित उपखंड ग्रंतःस्थापित किए जाएंगे, ग्रंथितः---
- "(li) 1000 सन सेंटीमीटर से अधिक किला 1400 अन सेंटीमीटर से अनिधिक इंजनकामता वालीमोटर काद की दशा में 375 किलो-ग्राम मार के साम किया आएगा, और

(iii) 1400 धन मेंटीमीट्र्यूट में अधिक ईश्रन क्षमता बाली मोटर कार की बणा में, 450 आवाश्वर के साथ किया जाएगा",

3

- (v) खंड (ख) के प्रत में घाने वाले "मीर" शब्द का लोग किया जाएगा प्रीर खंड (ग) के पत्तात निम्नलिखित खंड ग्रंत-स्वापित किया जाएगा, प्रश्ति----
- "(घ) ईनन दक्षता गरीक्षण, उत्पादन संयंत्र से परीक्षण अभिकर्ता द्वारा सहसा चुनी गई पांच मोटर कारों पर किया जाएगा भौर परीक्षण भंतों में से न्यूनतम भंक, ईबन वक्षता प्रमाणपत्र दिए जाने के प्रयोजन के लिए मुमंगत होगा।";
- (ख) पैरा । के प्रजात निस्तिविधत पैरा अन-स्थापित किए जाएंगे, भर्यात :---
- "2. इस प्रकार दिया गया ईक्षत दक्षता प्रमाणपत्र विष् जाने की नारीय से छह माह की प्रविष के लिए विधिमान्य होगा । अहा मायातकर्ता इस मधिसुचना के अधीन छुट का हकदार है किन्तु आयास के समय **इंग्र**नः क्षत्रता प्रमाणपदा पेश करते में समर्थ नहीं है वहां ऐसा भाषात-कर्जा, संडायक मीमाशुस्क कलक्टर को यह वचनवंध करेगा कि धह ऐसा ईधन दक्षता प्रमाणपत्र भाट सन्ताह की अवधि के भीतर या चार सप्ताह से ग्रनधिक भीर बढ़ाई गई ऐसी भववि के भोतर भो सीमाश्लक कलक्टर द्वारा प्रव**धा**रित जाए, पेश करेगा तथा वह इसमें अंतर्विष्ट छूट के न विष् जाने की वणा में उदग्रहणीय गुन्क और प्रावा<mark>त के स</mark>मय पहले ही सदश्त शरूक के बीच के अंत का संबाय करने का भीववतर्यंध उप दशा में करेशा जब वह उक्त भवधि के भीतर ईधन दक्षता प्रमाणपक पेश करने में अयकत रहता है।'';
- (ग) विद्यतीन पैटा 3 को पैदा
   4 के इप में पून सङ्बाकिल किया जाएगा।

[फार्स: 315/89/86 की प्रार**्य]** गीतम रे, अप सचिव

#### NOTIFICATION

#### NO. 505/86-CUSTOMS

GSR. 1320 (F).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (5), of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be amended or further amonded, as the case may be, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

#### **TABLE**

S. No	Notification No, and date	Amendment	
(1)	(2)	(3)	
1. N.	tification No.	In the said notification,—	

- 1. Notification No. 29/83-Customs, dated the 25th February, 1983.
- (a) in the opening paragraph,-
- (i) in clauses (i) and (ii), for the words "Department of Heavy Industry" wherever they occur, the words Department of Industrial Development" shall be substituted;
- (ii) in clause (ii), the word "and" occurring at the end shall be omitted, and after clause (iii), the following clause shall be inserted, namely:—
  - "(iv) the importer produces a cortificate from the Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development showing the details of the degree of indigenisation required to be achieved under the aforesaid programme and the actual degree of in ligenisation achieved in the preceding financial year and in a case where the degree of indigenisation achieved in the preceding financial year is lower than the degree, as per the approved programme, the importer also produces a certificate from an officer not below the rank of a Joint secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) certififying that the failure in achieving the required degree of indigenisation is on account of valid reasons to be recorded in writing and that such failuro is marginal.";
- (iii) in the Explanation,-
- (a) for the words and brackets "(Department of Heavy Industry)", the brackets and words (Department of Industrial Development) (certificate issued in this regard hereinafter referred to as fuel efficiency certificate)" shall be substituted;

- $(1) \qquad (2)$
- (3)
- (b) the words and brackets "o) the Automotive Research Association of India, Pune (Maharashtra)" shall be omitted;
- (c) in clause (b), the word "and" occurring at the end shall be omitted, and after clause (c), the following clause shall be inserted, namely:—
  - "(d) the fuel efficiency test shall be conducted on five motor cars selected at random by the testing agency from the production plant and the lowest of the test figures shall be relevant for the purpose of issuing fuel efficiency certificate.";
- (b) after paragraph 1, the following paragraphs shall be inserted, namely:—
  - "2. The fuel efficiency certificate so issued shall be valid for a period of six months from the date of of issue.
  - 3. Where an importer is entitled for exemption under this notifleation but is not able to produce a fuel efficiency certificate at the time of importation such importer shall undertake to the Assistant Collector of Customs that he will produce such fuel-efficiency certificate with in a period of eight weeks or such further extended period not exceeding four weeks as may be determined by the Collector of Customs and also undertake to pay an amount equal to the difference between the duty leviable but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation, if he fails to preduce the fuel efficiency certificate within the said period.";
- (c) the existing paragraph 2 shall be renumbered as paragraph 4.
- 2. No.6/84-Customs, dated the 10th January, 1984.
- In the said notification,—
- (a) in the opening paragraph --
  - (i) in clause (i), the word "aid" occurring at the end shall be omitted;
- (ii) in clause (ii), for the words "Department of Heavy Industry" the words "Department of Industrial Development" shall be substituted;

(1) (2)

.

(1)

(2)

(3)

(iii) after clause (ii), the following clause shall be inserted, namely—

(3)

- "(iii) that such fuel efficient motor cars are manufactured under a phased manufacturing programme duly approved by the Ministry of Industry and the Industrial Adviser of the Directorate General of Technical Development in the Ministry of Industry and the importer producesacertificate from the Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development showing the details of the degree of indigenisation required to be achieved under the aforesaid programme and the actual degree of indigenisation achieved in the preceding financial year and in a case where the degree of indigenisation achieved in the preceding financial year is lower than the degree as per the approved programme, the importer also produces a certificate from an officer not below the rank of a Joint Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development), certifying that the failure in achieving the required degree of indigenisation is on account of valid reasons to be recorded in writing and that such failure is marginal."
- (iv) in the Explanation,-
- (a) for the words and brackets

  "(Department of Heavy
  Industries)", the brackets and
  words "(Department of Industrial
  Development) (certificate issued
  in this regard hereinafter referred
  to as the fuel efficiency certificate)" shall be substituted;
- (b) the words and brackets "or the Automotive Research Association of India, Pune (Maharashtia)" shall be omitted
- (c) in clause (b), the word "and" occuring at the end shall be omitted and after clause (c), the following clause shall be inserted, namely:—
  - "(d) The fuel-efficiency test shall be conducted on five motor cars selected at random by the testing agency from the production plant and the lowest of the test figures shall be relevant for the purpose of issuing the fuel efficiency certificate.";

- (b) for paragraph 2, the following paragraphs shall be inserted, namely:—
  - "2. The fuel efficiency certificate so issued shall be valid for a period of six months from the date of issue.
  - 3. Where an importer is entitled for exemption under this notification but is not able to produce a fuel-efficiency certificate at the time of importation such importer shall undertake to the Assistant Collector of Customs that he will produce such fuel-efficiency certificate within a period of eight weeks or such further extended period not exceeding four weeks is may be determined by the Collector of Customs and also indertake to pay an amount qual to the difference between he duty leviable but for the exemption contained herein and hat already paid at the time of mportation, if he fails to produce the fuel-efficiency certificate within the said period.
  - 4. This notification shall remain in force upto and inclusive of the 24th day of February, 1988."
- 3. No. 254/84-Customs, dated 8th October, 1984

In the said notification.—

- (a) in the opening paragraph,—
- (i) the words and figures "of engine capacity not exceeding 1000 cubic centimetres" shall be omitted;
- (ii) in clauses (i) and (ii), for the words "Department of Heavy Industry", wherever they occur, the words "Department of Industrial Development" shall be substituted:
- (iii) in clause (ii), the word "and" occurring at the end shall be omitted, and after clause (iii), the following clause shall be inserted, namely:—
  - "(iv) the importer produces a certificate from the Industrial Adviser in the Director General of Technical Development showing the details of the degree of indigenisation required to be achieved under the aforesaid programme and the actual degree of indigenisation achieved in the preceding financial year and in a case where the degree of indigenisation achieved in the preceding financial year is lower than the degree as per the approved

\_\_\_\_\_\_\_

(1) (2)

(3)

(1) (2)

(3)

programme, the importer also produces a certificate from an officer not below the rank of a Joint Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) certifying that the failure in achieving the required degree of indigenisation is on account of valid reasons to be recorded in writing and that such failure is marginal.";

- (iv) in the Explanation,-
- (a) after clause (i), the following clauses shall be inserted, namely:—
  - "(ii) not less than 17 kilometres per litre of petrol in the case of a motor car of engine capacity exceeding 1000 cubic centimetres but not exceeding 1400 cubic centimetres; and
  - (iii) not less than 15 kilometres per litre of petrol in the case of a motor car of engine capacity exceeding 1400 cubic centimetre s,"
- (b) for the words and brackets "(Department of Heavy Industry)", the words and brackets "(Department of Industrial Development) (certificate issued in their regard hereinafter referred to as the fuel efficiency certificate)" shall be substituted;
- (c) the words and brackets "or the Automotive Research Association of India, Pune (Maharashtra)" shall be omitted;
- (d) in clause(a), after sub-clause (i), the following sub-clauses shall be inserted, namely:—
  - "(ii) with a payload of 375 kilograms in the case of a motor car of engine capacity exceeding 1000 cubic centimetres but not exceeding 1400 cubic centimetres; and
  - (iii) with a payload of 450 kilograms in the case of a motor car of engine capacity exceeding 1400 cubic centimetres;";

- (v) in clause (b), the word, "and" occurring at the end shall be omitted and after clause (c), the following clause shall be inserted, namely:
  - "(d) the fuel-efficiency test shall be conducted on five motor cars selected at random by the testing agency from the production plant and the lowest of the test figures shall be relevant for the purpose of issuing fuel efficiency certificate.";
- (b) after paragraph 1, the following paragraphs shall be inserted, namely:—
  - "2. The fuel-efficiency certificate so issued shall be valid for a period of six months from the date of issue.
  - 3. Where an importer is entitled for exemption under this notification but is not able to produce fuel-efficiency certificate at the time of importation such importer shall undertake to the Assistant Collector of Customs that he will produce such fuel-efficiency certificate within a period of eight weeks or such further extended period not exceeding four weeks as may be determined by the Collector of Customs and also undertake to pay an amount equal to the difference between the duty leviable but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation if he fails to produce the fuel efficiency certificate within the said period.";
- (c) the existing paragraph 2 shall be renumbered as paragraph 4.

[F. No. 346/89/86-TRU] GAUTAM RAY, Dy. Secy.